

## मान्रार की खाडी में टूटिकोरिन तट पर यूथिनस अफिनिस (कान्टर) और सार्डा ऑरिएन्टालिस (टेम्मिंक और शीयगल) की किशोर मात्स्यिकी

टूटिकोरिन में वर्ष 2006 के दौरान गिलजालों और काँटा डोरियों द्वारा लगभग 2882 टन ट्यूना मछली अवतरण हुआ था। पोडिवलै कहलाने वाले 3.3 से 7.5 से मी की छोटी जालाक्षि के गिलजालों, 8-16 से मी की बड़ी जालाक्षि के परुवलै कहलाने वाले गिलजालों और यंत्रीकृत नावों और मोटोरीकृत वल्लम से प्रचालित काँटा डोरियों से ट्यूना मछलियों को पकड़ी गयी थी। छोटी जालाक्षि के गिल जाल उथले जलक्षेत्रों में 10-15 मी की गहराई में प्रचालन करते हैं और ट्यूनाओं के साथ माध्य आकार की अन्य वेलापवर्तियों का भी अवतरण करते हैं। पोडिवलै द्वारा अवतरण लगभग 8.3% अनुमान किया गया। बड़ी जालाक्षि के गिल जाल और काँटा डोरियाँ तट से 10 कि मी दूर 50-150 मी की गहराई में प्रचालन करके बड़ी ट्यूना और वेलापवर्ती मछलियों का अवतरण करते हैं। बड़ी जालाक्षि के गिलजालों द्वारा योगदान कुल ट्यूना पकड़ का 90.3% था। सभी संभारों में यूथिनस अफिनिस की प्रमुखता के साथ सात जातियाँ प्राप्त हुई थी।

जून से सितंबर तक की अवधि ट्यूना मात्स्यिकी का श्रृंगकाल था। इस दौरान ई. अफिनिस, ऑक्सिस थासार्ड और सार्डा ऑरिएन्टालिस के किशोर भी विरल मात्रा में प्राप्त होती थी। टूटिकोरिन तट पर इन जातियों की किशोर मात्स्यिकी पर पहले ही रिपोर्ट की गयी है। फिर भी इनकी मात्स्यिकी प्रमुख नहीं थी।

वर्ष 2006 के दौरान बड़ी जालाक्षि के गिल जालों ने

### पत्रव्यवहार

टी.एस. बालसुब्रमण्यन और ई.एम. अब्दुसमद  
सी एम एफ आर आइ टूटिकोरिन अनुसंधान केंद्र, टूटिकोरिन

2601 टन, छोटी जालाक्षि के गिल जालों ने 239 टन और काँटा डोरियों ने 42 टन ट्यूना मछली अवतरण किये थे। प्रथम संभार की मात्स्यिकी में सात जातियाँ उपस्थित थीं और छोटी जालाक्षि के गिलजालों की पकड़ में ई. अफिनिस, ए. थासार्ड और एस. ऑरिएन्टालिस शामिल थी जिनमें 11.6 टन 14-20 से मी की ई. अफिनिस, 12 टन 12-20 से मी की एस. ऑरिएन्टालिस थी और पकड़ में ये क्रमशः 5.2 और 25.8% थी (सारणी-1)।

जून से अगस्त तक की अवधि में किशोरों ने मात्स्यिकी में प्रवेश की थी जो ट्यूना मात्स्यिकी का श्रृंगकाल है। पूरे तट में किशोर मात्स्यिकी जारी रही। लंबाई, भार, आहार नली की वस्तुएं और लिंग अनुपात जैसे प्राचलों के लिए नमूनों का अध्ययन किया गया। आकार रैंच ई. अफिनिस में 14 और 20 से मी के बीच और एस. ऑरिएन्टालिस में 12 से 20 से मी के बीच देखा गया (सारणी II और III)। ई. अफिनिस नमूनों का भार 40 और 100 ग्रा के बीच और एस. ऑरिएन्टालिस का 20 और 90 ग्रा के बीच होते हुए दिखाया पड़ा। इस अवधि में प्रमुख आहार स्टोलेफोरेस जातियाँ, स्विड्स, मछलियों के काँटे, अंडे और डिम्बक थे। सभी नमूनों की जननग्रंथी अपरिपक्व थी। निरीक्षण यह सूचना देती है कि ये आहार की तलाश में तटीय जलक्षेत्रों में आयी होगी।

मात्स्यिकी में इन जातियों के प्रवेश पर पहले किये गये अध्ययन से व्यक्त होता है कि अगस्त-दिसंबर के श्रृंगकाल के साथ वर्ष के प्रायः सभी महीनों में इनका प्रभव में प्रवेश होता रहता है। 43 से मी तक के आकार के प्रभवों का मुख्य नाश प्राकृतिक कारणों से था। इस आकार से बड़ी मछलियाँ मत्स्यन संभारों में अधिकतर पकड़ी जाती है और मत्स्यन से घटित



सारणी 1: टूटिकोरिन में वर्ष 2006 के दौरान छोटी जालाक्षि के गिल जालों द्वारा अवतरण किये गए ई. अफिनिस, ए. थासाई और एस. ऑरिएन्टालिस प्रौढ और किशोर मछलियों का माहवार मिश्रण (टन में)

महीना	ई.अफिनिस		ए.थासाई		एस.ऑरिएन्टालिस		कुल
	प्रौढ	किशोर	प्रौढ	किशोर	प्रौढ	किशोर	
जनवरी-अप्रैल	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
मई	10.6	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	10.6
जून	9.8	0.6	0.4	शून्य	शून्य	शून्य	10.8
जुलाई	4.6	4.1	0.9	शून्य	4.0	8.8	22.4
अगस्त	41.1	5.1	0.3	शून्य	22.1	0.5	69.1
सितंबर	12.2	शून्य	शून्य	शून्य	0.7	शून्य	12.9
अक्तूबर	74.0	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	74.0
नवंबर	38.0	0.7	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	38.7
कुल जनवरी से दिसंबर तक	190.3	10.5	1.6	शून्य	26.8	9.3	238.5
प्रतिशतता	94.8	5.2	100	शून्य	74.2	25.8	

सारणी 2: ई. अफिनिस किशोरों का आकलित माहवार वितरण प्रतिशतता में

केन्द्र : टूटिकोरिन		वर्ष : 2006						संभार : छोटी जालाक्षि का गिलजाल (पोडिवलै)					
आकार	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितंबर	अक्तूबर	नवंबर	दिसंबर	कुल
वर्ग (से मी)													
14-15.9	—	—	—	—	—	—	13	—	—	—	—	—	6.9
16-17.9	—	—	—	—	—	—	29.3	6.4	—	—	—	—	15.5
18-17.9	—	—	—	—	—	—	30.0	38.2	—	—	—	—	31.0
20-21.9	—	—	—	—	—	100	27.7	55.4	—	—	100	—	46.6

सारणी 3: एस. ऑरिएन्टालिस किशोरों का आकलित माहवार वितरण प्रतिशतता में

केन्द्र : टूटिकोरिन		वर्ष : 2006		संभार : छोटी जालाक्षि का गिलजाल (पोडिवलै)	
आकार	जुलाई	अगस्त	कुल		
वर्ग (से मी)				जनवरी से दिसंबर के लिए	
12-13.9	4	—	4.0		
14-15.9	24	—	23.1		
16-17.9	36	—	34.5		
18-19.9	12	—	11.4		
20-21.9	24	100	27.0		

क्षति प्राकृतिक कारणों से हुई क्षतियों से अधिक हो गयी। प्रभव की क्षति प्राकृतिक एवं मत्स्यन से घटित हो सकती है। निरीक्षण यह व्यक्त करता है कि 43 से मी से कम आकार के पहाले किये गये कई अध्ययनों ने यह व्यक्त किया है कि



किशोर मछलियों की भारी मात्रा में विदोहन आगामी मौसम के उत्पादन में कमी में परिणत हो जाएगा। इसलिए नियमित ट्यूना

मात्स्यिकी पर इसका प्रभाव जानने के लिए अधिक ध्यान देना है।



भारत में वेलापवर्ती सहित मछलियों की पकड़ के लिए इन यानों का उपयोग करता है

